>

Title: Regarding expansion of railway line in Himachal Pradesh.

श्री किशन कपूर (कांगड़ा): अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं । मैं पहली बार इस सदन में बोल रहा हूं । मैं आदरणीय प्रधान मंत्री और अमित शाह जी का धन्यवादी हूं कि उन्होंने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर के मुझे दर्शन कराए । मैं जिस चुनाव क्षेत्र से चुनकर आया हूं, वह कांगड़ा संसदीय क्षेत्र है । इस देश को आजाद हुए 72 वर्ष हुए हैं और मुझे भी 72.2 प्रतिशत मत देकर कांगड़ा की जनता ने इस मंदिर में भेजा है ।

अध्यक्ष महोदय, हमारे क्षेत्र के लोगों की बहुत चिरकाल से एक मांग है । हिमाचल प्रदेश में आजादी से पहले दो रेलवे लाइन थीं । एक रेलवे लाइन कालका से लेकर शिमला तक है और दूसरी लाइन पठानकोट से लेकर योगेन्द्र नगर तक है । मैं यहां देख रहा था, यहां बजट भी पेश हुआ, कई माननीय सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों की मांग कर रहे थे, कोई हवाई पट्टी की मांग कर रहे थे, कोई जलमार्ग की मांग कर रहे थे, कोई रेलवे मार्ग की मांग कर रहे थे, …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप किस चीज की मांग कर रहे हैं, उसके बारे में बोलिए ।

श्री किशन कपूर : अध्यक्ष महोदय, मैं पहली बार बोल रहा हूं और उसी विषय पर आ रहा हूं । जब से देश आजाद हुआ, पूरे देश में रेलवे मार्गों का विस्तारीकरण हुआ, परंतु हिमाचल प्रदेश में अंग्रेजों ने वर्ष 1928 में पठानकोट से लेकर योगेन्द्र नगर तक जो रेलवे लाइन बनाई, वह एक इंच भी आगे नहीं बढ़ी है । दूसरी रेलवे लाइन कालका से लेकर शिमला तक बनाई थी, लेकिन वह भी एक इंच आगे नहीं बढ़ी है । अधिकारी यह कहते हैं कि वहां रेलवे लाइन नहीं बन सकती । वर्ष 1928 में अंग्रेजों ने पठानकोट से योगेन्द्र नगर तक रेलवे लाइन इसलिए बनाई थी, क्योंकि वहां जो जल विद्युत परियोजना थी, वह 45 मेगावाट की बनाई गई थी । अब वहां कई सारी जल विद्युत परियोजनाएं बन गई हैं । … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अभी तक तो आप मूल बात पर ही नहीं आए हैं । आप शून्य काल में पहली बार बोल रहे हैं । आप अपने विषय पर आइए ।

श्री किशन कपूर : अध्यक्ष महोदय, चम्बा आकांक्षी जिला है । यहां माननीय रेल मंत्री महोदय ने कहा था कि जो आकांक्षी जिले हैं, वहां रेल मार्ग बनाए जाएंगे । आज चम्बा में बिजली की जो हाइडल प्रोजेक्ट्स हैं, उनकी संख्या 72 है । अंग्रेजों ने वहां एक हाइडल प्रोजेक्ट के लिए रेलवे लाइन बना दी थी । उन्होंने शिमला के लिए रेलवे लाइन इसलिए बनाई थी, क्योंकि शिमला उनकी ग्रीष्मकालीन राजधानी थी ।

अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश एक देवी-देवताओं की भूमि है । वहां बहुत सारे पर्यटक आते हैं ।